|  |  |
| --- | --- |
| **(क)** | क्‍या यह सच है कि वृह्द वैश्‍विक बैंकिंग कंपनी ‘गोल्‍डमैन सेश’ ने कहा है कि भारतीय अर्थव्‍यवस्‍था में गिरावट आने की आशंका है और भारतीय रिजर्व बैंक को इस वित्‍तीय वर्ष के लिए अनुमानित 7.6 प्रतिशत की विकास दर में और कमी करनी पड़ सकती है; |
| **(ख)** | यदि हां, तो इस पर सरकार की क्‍या प्रतिक्रिया है; और |
| **(ग)** | सरकार भारतीय अर्थव्‍यवस्‍था में सुधार हेतु क्‍या-क्‍या कदम उठा रही है? |

**उत्‍तर**

**वित्‍त मंत्री (श्री प्रणब मुखर्जी)**

**(क) से (ग):** विवरण सभा-पटल पर रख दिया गया है।

**भारतीय अर्थव्‍यवस्‍था के विकास के बारे में गोल्‍डमैन सैश की टिप्‍पणियों के संबंध में**

**श्री बैष्‍णव परिडा द्वारा पूछे गए 22 नवम्‍बर, 2011 को उत्‍तरार्थ**

**राज्‍य सभा तारांकित प्रश्‍न संख्‍या \*5 के उत्‍तर में उल्‍लिखित विवरण।**

1. गोल्‍डमेन सैश द्वारा ‘एशिया पॉलिसी वॉच’ नामक अपनी रिपोर्ट में ऐसी बात कहे जाने की खबर है।
2. सरकार विभिन्‍न एजेंसियों द्वारा किए गए विकास संबंधी विभिन्‍न अनुमानों से अवगत है जो मंदी की ओर इशारा करते हैं।
3. सरकार ने वैश्‍विक वित्‍तीय संकट के दुष्‍प्रभाव को कम करने के लिए हाल के वर्षों में प्रतिचक्रीय रवैया अपनाकर सतत् आधार पर विवेकपूर्ण बृहत-आर्थिक नीतियां अपनाई हैं, विकास को बढ़ावा देने, उत्‍पाद एवं वित्‍तीय बाजार विकसित करने के लिए संरचनागत उपायों को मजबूत बनाया है तथा गरीबों की रक्षा के लिए मजबूत बुनियाद के निर्माण हेतु सामाजिक व्‍यय में बढ़ोतरी की है। विकास को गति देने के लिए हाल की अवधि में किए गए विशिष्‍ट उपायों में, अन्‍य के साथ-साथ अवसंरचना ऋण निधि के सृजन के जरिए अवसंरचना क्षेत्र में निवेश को बढ़ाना, सरकारी निजी भागीदारियों पर ध्‍यान देना, नई विनिर्माण नीति की घोषणा करना, नई मसौदा दूरसंचार नीति की घोषणा करना, संसद में भूमि अधिग्रहण विधेयक लाना, तथा भारत में बैंकिंग क्षेत्र के विकास के लिए कई विधायी उपाय करना शामिल हैं।

**\*\*\*\*\***